

# डीआरडीओ समाचार



www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

नवंबर 2022 खण्ड 34 अंक 11

“बलस्य मूलं विज्ञानम्”

ISSN: 0971-4405

## डीआरडीओ ने प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के लिए डिफेंस एक्सपो-2022 में 13 उद्योगों को 16 लाइसेंसिंग अनुबंध सौंपे



मुख्य संपादक: डॉ के नागेश्वर राव  
मुख्य सह-संपादक: अलका बंसल  
प्रबंध संपादक: अजय कुमार  
संपादकीय सहायक: धर्म वीर



डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

## हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
बेंगलूरु	:	श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई) श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई) श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स) श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर) डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक) डॉ प्रसन्ना एस बख्शी रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल) श्री वेंकटेश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई) डॉ अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ प्रिस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल)
चेन्नई	:	श्रीमती एस जयसुधा, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील) श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम) श्री तपेश सिन्हा, रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक) श्रीमती रश्मि राय चौहान, योजना एवं समन्वय निदेशालय (डीपी एण्ड सी) डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास) डॉ डॉली बंसल, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर) श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईस्सा) श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी) डॉ रुपेश कुमार चौबे, टोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एसएएल) श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल) डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल) श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई)
जगदलपुर	:	डॉ गौरव अग्निहोत्री, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री रवींद्र कुमार, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लीथा एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमरानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई) डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी) डॉ एस नंदगोपाल, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

## इस अंक में

मुख्य लेख

4



घटनाक्रम

11

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप

18

कार्मिक समाचार

22

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम

23

वेबसाइट : <https://www.drdo.gov.in/samachar>

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें :

director.desidoc@gov.in

दूरभाष : 011-23902403, 23902434

फैक्स : 011-23819151

## डीआरडीओ ने प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के लिए डिफेंस एक्सपो-2022 में 13 उद्योगों को 16 लाइसेंसिंग अनुबंध सौंपे

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने अपने द्वारा विकसित 10 प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के लिए गांधीनगर, गुजरात में आयोजित रक्षा प्रदर्शनी के 12वें संस्करण के 'बंधन' समारोह के दौरान दिनांक 20 अक्टूबर, 2022 को 16 लाइसेंसिंग अनुबंध व करार 13 उद्योगों को सौंपे। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने समारोह की अध्यक्षता की, जिसमें कुल 451 समझौतों, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए, और उत्पादों को लॉन्च किया गया। इन 451 समझौतों एवं अनुबंधों में से, 345 एमओयू थे, 42 प्रमुख घोषणाएं थीं, 46 उत्पादों को लॉन्च किया गया और 18 प्रौद्योगिकी हस्तांतरण अनुबंध शामिल थे। इनमें गुजरात के लिए 28 समझौता ज्ञापन और एक उत्पाद की लॉन्चिंग शामिल थी। इन समझौतों एवं अनुबंधों के तहत रु 1.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश की परिकल्पना की गई है। भारतीय वायु सेना और हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ने रु 6,800 करोड़ रुपये की लागत के 70 एचटीटी-40 स्वदेशी ट्रेनर विमानों के

लिए एक करार किया।

डीआरडीओ द्वारा हस्तांतरित प्रौद्योगिकियां इलेक्ट्रॉनिक्स, लेज़र टेक्नोलॉजी, आयुधों, पदार्थ विज्ञान, युद्धक वाहनों, नौसेना प्रणालियां, संसर, आदि के क्षेत्र से थीं। उत्पादों में हैंडहेल्ड ग्राउंड पेनेट्रेंटिंग रडार (जीपीआर), गैर-विस्फोटित आयुध हैंडलिंग रोबोट (यूएक्सओआर),

एल्यूमीनियम एलॉय के लिए अर्द्धठोस धातु (एसएसएम), हाइ ऑक्सीडेटिव एवं थर्मल स्टेबिलिटी ऑयल (डीएमएस हॉट्स ऑयल-1), युद्धक वाहनों के लिए न्यूक्लियर शील्डिंग पैड, टैंकरोधी अनुप्रयोग के लिए 120 एमएम टैंडम वारहेड सिस्टम, उच्च ऊर्जा सामग्री (टीएनएसटीएडी), लेज़र आधारित एंड गेम फ्यूज़, मल्टी किलोवाट लेज़र बीम डायरेक्टिंग ऑप्टिकल चैनल (बीडीओसी), शक्ति-ईडब्ल्यू सिस्टम जैसे उत्पाद शामिल थे। इन उच्च प्रौद्योगिकीय उत्पादों से राष्ट्र की 'आत्मनिर्भर भारत' मुहिम को बल मिलेगा और सैन्य बलों की सक्रियात्मक क्षमताओं में बढ़ोत्तरी के अलावा, आत्मनिर्भरता के माध्यम से विनिर्माण क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर बात करते हुए, श्री राजनाथ सिंह ने उपरोक्त घटनाक्रम को आत्मनिर्भरता में एक नए युग की शुरुआत कहा, जो एक शक्तिशाली एवं समृद्ध 'नया भारत' विश्व की प्रमुख शक्तियों के साथ कंधे से कंधा मिलाने के लिए तैयार





है। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के विकास व संवृद्धि के प्रति प्रतिबद्ध है, ताकि आत्मनिर्भरता तथा रक्षा निर्यातों को बढ़ाने के दोहरे उद्देश्य को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने इस बात पर विश्वास जताया कि देश वर्ष 2025 तक रु 35,000 करोड़ के रक्षा निर्यात लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। उन्होंने यह उम्मीद की कि

डिफेंस एक्सपो-2022 के उत्साह को अधिकाधिक सहयोगों अर्थात कोलाब्रेशन के माध्यम से नए क्षेत्रों में भी अग्रसित किया जाएगा, जिससे भारत को एक अग्रणी रक्षा विनिर्माता और निर्यातक के रूप में आगे बढ़ने और सरकार के 2047 के विज़न को साकार करने में सहायता मिलेगी।

गुजरात के महामहिम राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत; रक्षा राज्य मंत्री

श्री अजय भट; तीनों सेनाओं के प्रमुख जनरल अनिल चौहान; वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी; नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरी कुमार; सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे; रक्षा सचिव डॉ अजय कुमार; और ओएसडी, रक्षा विभाग श्री गिरधर अरामने ने समारोह में सहभागिता की।

## डिफेंस एक्सपो-2022 में डीआरडीओ की प्रतिभागिता

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने गांधी नगर, गुजरात में 18-22 अक्टूबर 2022 के दौरान आयोजित डिफेंस एक्सपो-22 में प्रतिभागिता की। डिफेंस एक्सपो एक द्विवर्षीय समारोह है। इस वर्ष इसके 12वें संस्करण का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक 'पाथ टू प्राइड' था जो 'इंडिया एट 75' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' से संबद्ध था। यह उद्योग तथा नागरिकों को राष्ट्र निर्माण से जुड़ने तथा उसके लिए अपना योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इस प्रदर्शनी का लक्ष्य 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' मुहिम का प्रसार करना भी था।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी; श्री राजनाथ सिंह माननीय रक्षा मंत्री; श्री अजय भट, माननीय राज्य रक्षा मंत्री, श्री समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आर एण्ड डी) और अध्यक्ष, डीआरडीओ तथा अन्य महानुभावों ने अपनी उपस्थिति

से 19 अक्टूबर 2022 को आयोजित समारोह की गरिमा बढ़ाई। इस वर्ष डीआरडीओ की प्रतिभागिता का शीर्षक 3डी (डीआरडीओ, डिजाइन्ड और डवलपेड) इकोस्पेयर पर आधारित था जिसने उद्योग तथा शिक्षा संस्थानों के साथ डीआरडीओ के मजबूत संपर्क-सूत्रों को उजागर किया। इस अवसर पर अपनी बात रखते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह शीर्षक 'नए भारत' की तस्वीर को परिलक्षित करता है जिसकी क्षमताओं की गूँज अमृत काल के समय में भी महसूस की गई। उन्होंने कहा कि यह देश के विकास तथा राज्यों के सहयोग, दोनों का एक समावेशन है। "इसमें युवाओं की शक्ति एवं स्वपन हैं, इसमें युवाओं का संकल्प एवं सक्षमताएं हैं। इससे विश्व को उम्मीदे हैं, मित्रवत राष्ट्रों के लिए इसमें बड़े अवसर हैं।"

डिफेंस एक्सपो-2022 में, डीआरडीओ ने महात्मा मंदिर सम्मेलन एवं

प्रदर्शनी केंद्र, हैलीपैड प्रदर्शनी केंद्र और साबरमती नदी तट सहित तीन स्थानों में फैले इमर्सिव एक्सपीरियेंस जोन्स में अनेक स्थैतिक प्रदर्शनियों का लाइव प्रदर्शन किया एवं एक सेमिनार आयोजित किया। 376 उत्पादों को प्रदर्शित करने हेतु एक्जिबिट्स को इमर्सिव जोन्स और एक्सपीरियेंस जोन्स सहित विभिन्न श्रेणियों में 17 डिस्प्ले जोन्स में विभाजित किया।

ये 17 जोन्स थे-इंजन एवं प्रणोदन, अंतरिक्ष एवं वैमानिकी (यूएवी, जंगी विमान, निगरानी के लिए विमान, आदि), सेंसर, उपकरण एवं उन्नत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, नौसेना शस्त्र एवं प्रणालियां (ईडब्ल्यू प्रणालियां एवं सेंसर), बख्तरबंद वाहन एवं भू प्रणालियां, शस्त्रीकरण, बंदूकें एवं गोला-बारूद, सामग्रियां, मिसाइलें (क्रूज, एमबीआरएल, एएएम, एटीजीएम तथा एमआरएसएएम), ब्रह्मोस, आर एण्ड डी में उद्योग भागीदार (17 भागीदार-



3 स्टार्ट-अप्स एवं 14 एमएमएमई), सैनिक सहायता एवं दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकियां (सैनिक सहायता, लाइफ साइंस उत्पाद, आग से संरक्षण, अग्नि शमन उपकरण, ईंधन एवं ऊर्जा, खाद्य उत्पाद, आदि), एक्सपीरियेंस जोन (सिमुलेटर वर्चुअल रिएल्टी, और आडियो-विजुअल), सॉफ्टवेयर एआई एवं साइबर, अकादमिक जोन, अकादमिक आउटरीच, उद्योग आउटरीच, और सार्वजनिक इंटरफेस।

भू-आधारित, नौसेना आधारित और वायु आधारित प्रणालियों के लिए विकसित अनेक प्रौद्योगिकियों को एक्सपीरियेंस जोन्स के माध्यम से प्रदर्शित किया गया (जहाँ एक बंद कक्ष में इमर्सिव चलचित्र अनुभव महसूस किया जा सकता था)। सर्वप्रथम, उन्नत युद्धक विमान सिमुलेटर को भी प्रदर्शित किया गया ताकि अन्य संवर्धित सिमुलेटरो, और वर्चुअल रियेल्टी नौसेना सिमुलेटरो, भू-आधारित तथा वायु आधारित उत्पाद सिमुलेटरो के बारे में अनुभव प्राप्त किया जा सके। प्रदर्शनी हाल में एक होलोग्राफिक डैक भी उपलब्ध कराया गया जिसमें 30 से अधिक रक्षा उत्पादों के बारे में 3डी अनुभव प्राप्त हो सके तथा शस्त्रों के डिजाइनों की जटिलताओं के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके।

बाह्य डिस्प्ले में हैलिपैड प्रदर्शनी केंद्र में 18 स्थैतिक एक्जिबिट्स (वास्तविक उत्पाद) शामिल किए गए थे। इन उत्पादों में 155 एमएम x 52 कैलौरी एडवांस्ड टोव्ड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस), पहियों वाले सशस्त्र प्लेटफॉर्म (व्हेप), लेज़र फेन्स सिस्टम (एलएफएस), प्रहार मिसाइल, ब्रह्मोस एअर वर्जन मिसाइल, रुद्रम-III मिसाइल, त्वरित कार्रवाई वाली सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल (क्यूआरएसएएम), मध्यम दूरी सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम), आईआरडीई की झांकी, ब्रह्मोस के लिए मोबाइल स्वचालित लॉन्चर (एमएएल), कम्पोजिट हुल के साथ सीबीआरएन इन्फैंट्री युद्धक वाहन,

एडवांस्ड कम्पोजिट्स मॉड्यूलर ब्रिज सिस्टम (एसीएमबीएस), सीमा निगरानी प्रणाली (बीओएसएस), सीबीआरएन रेकी वाहन, 70टी टैंक ट्रांसपोर्ट, माउंटेड गन सिस्टम (एमजीएस), मानवरहित भू मोबाइल प्लेटफॉर्म (यूजीएमपी) जैसे उत्पाद शामिल थे।

डीआरडीओ ने साबरमती नदी तट पर उपस्कर का एक लाइव डेमो तथा स्थैतिक डिस्प्ले भी प्रस्तुत किया। डीआरडीओ उपस्कर के पांच लाइव डेमो डिस्प्ले पर स्थापित किए गए, नामतः इलेक्ट्रो-ऑप्टिक सिस्टम (ईओएस) के साथ पोर्टेबल डाइवर डिटेक्शन सोनार (पीडीडीएस), इमेज सोनार 'चित्र', स्वचालित सर्वेक्षण वाहन-अंतर्देशीय, स्वचालित सर्वेक्षण वाहन-तटीय (एससी-तटीय) और शस्त्र आरोहित सतही वाहन।

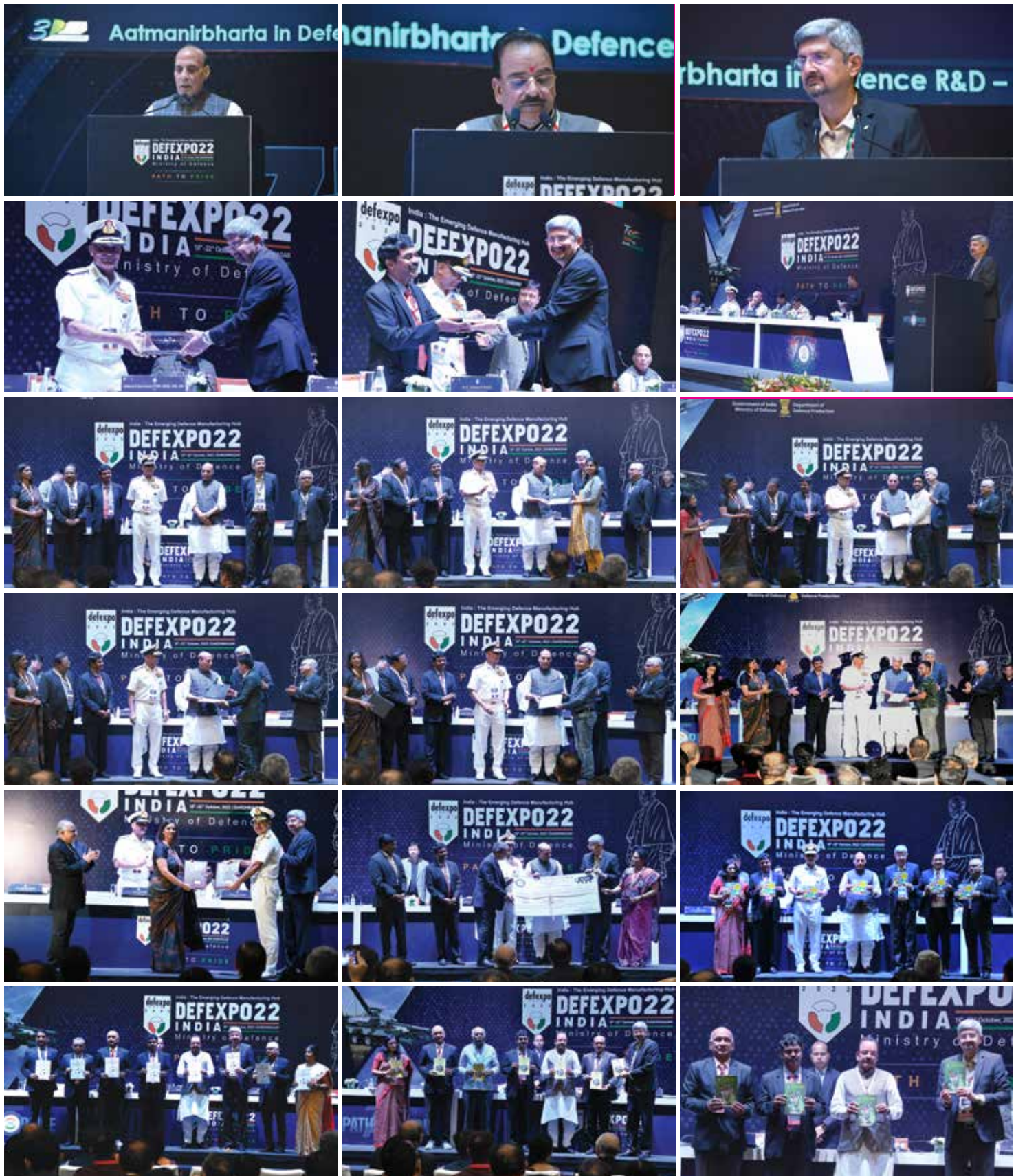
डीआरडीओ उपस्कर के छः स्थैतिक डिस्प्ले प्रस्तुत किए गए- वर्चुअल रिएल्टी-आधारित काउंटर मीजर डिप्लॉयमेंट सिमुलेटर, टीएल टॉरपेडो, पोर्टेबल डाइवर डिटेक्शन सेनार, वायु सेना स्वतंत्र-प्रणोदन प्रणाली, वेट एंड यूनिट, काउंटर ड्रोन प्रणाली आईएन-डी4 रडार, सॉफ्ट किल एवं हार्ड किल सिस्टम, और पेंसिव आईआरएसएस उपकरण।

डीआरडीओ ने 430 उत्पादों को प्रदर्शित किया जिनमें सामरिक शस्त्र प्रणालियां, रक्षा उपस्कर, और प्रौद्योगिकियां शामिल थीं। डीआरडीओ ने अपनी प्रयोगशालाओं द्वारा तथा उद्योग द्वारा हाल ही के वर्षों में विकसित प्रौद्योगिकियों के उन्नयनों अर्थात् एडवांसमेंट को भी प्रदर्शित किया। इसके अलावा, उन्नत एवं भावी उपयोग की प्रौद्योगिकियों के उच्च स्तरीय स्वदेशीकरण को भी प्रदर्शित किया गया जो रक्षा में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान देंगे। इसके अतिरिक्त, डीआरडीओ ने उद्योग तथा शिक्षा संस्थाओं के साथ अपनी सामरिक भागीदारियों को और गहन बनाने हेतु कई पहलों को भी प्रदर्शित किया। इन पहलों में, प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ), डेयर टू ड्रीम,

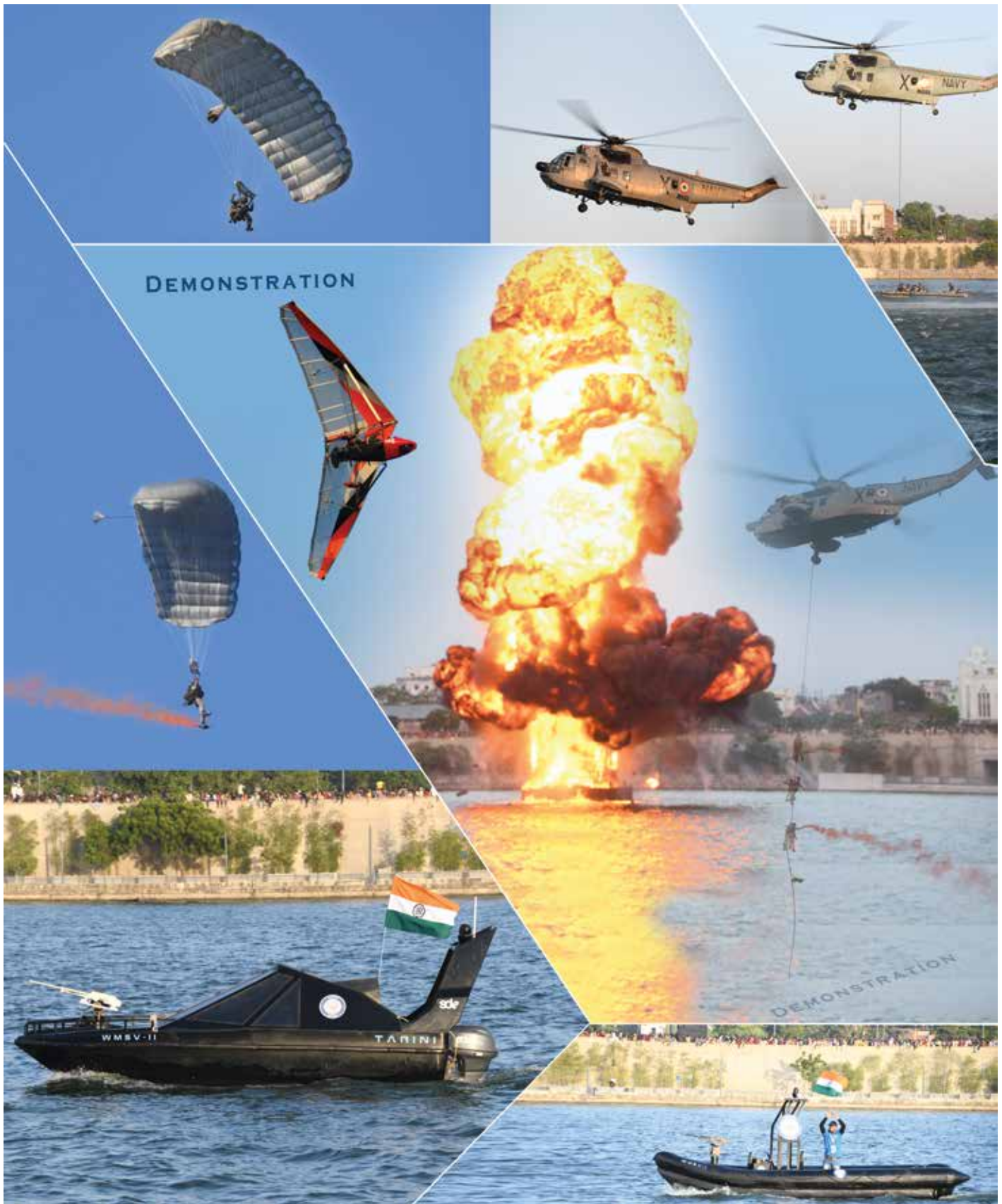
डीआईए-उद्यमशीलता केंद्र, और शिक्षा संस्थानों, स्टार्टअप्स, एमएसएमई एवं बड़े उद्योगों को देश में वर्तमान एवं भावी प्रौद्योगिकियों के रेडीनेस स्तरों को निरंतर अपग्रेड करने में प्रश्रय प्रदान करने हेतु अन्य सदृश स्कीमें शामिल थीं। डीआरडीओ की इन सभी पहलों से कई भारतीय उद्योगों की संक्रियात्मक तैयारी सुनिश्चित हुई है, विशेष रूप से शस्त्र प्रणालियों, रडार, सोनार, मिसाइलों, विमान, आदि के क्षेत्र में।

डीआरडीओ 'रक्षा आर एण्ड डी में आत्मनिर्भर भारत: समग्रतावादी अवधारणा' शीर्षक पर भी एक सेमिनार का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता माननीय रक्षा मंत्री ने की। डेयर टू ड्रीम कार्यक्रम के तीसरे संस्करण के विजेताओं को माननीय रक्षा मंत्री ने पुरस्कार प्रदान किए। डीआरडीओ ने नए डीआईए-सीओई स्थापित करने के लिए छः आईआईटी संस्थानों तथा भरतीनार विश्वविद्यालय के साथ एमओयू का आदान-प्रदान माननीय रक्षा मंत्री की उपस्थिति में किया गया।

श्री राजनाथ सिंह ने एक पुस्तक शीर्षक 'डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय की 8 वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों (2014-2022) का संकलन' को 19 अक्टूबर 2022 को विमोचित किया। इस पुस्तक में डीआरडीओ की विभिन्न उपलब्धियों को शामिल किया गया है तथा प्रमुख लॉन्चिंग, उड़ान परीक्षण, टीओटी, डीआरडीओ-उद्योग-शिक्षा संस्थाओं की भागीदारियों, आदि का संक्षिप्त रूप से वर्णन किया गया है। इस अवसर पर, माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट ने डॉ ए के मुखोपाध्याय द्वारा लिखित डीआरडीओ मोनोग्राफ शीर्षक 'रिसर्च लेब्रोटरी-इंडस्ट्री इंटरैक्शन्स फॉर प्रोडक्शन ऑफ स्पेसिएलिटी रॉट एल्यूमीनियम एलॉयज' और प्रोफेसर ब्रह्म सिंह द्वारा लिखित मोनोग्राफ शीर्षक 'लाइफ साइंसिस रिसर्च इन सर्विस ऑफ सॉल्विज' का विमोचन किया।









## वीशोरैड्स मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण

डीआरडीओ ने ओडिशा तट से दूर स्थित एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर) से एक भू-आधारित पोर्टेबल लॉन्चर से बहुत छोटी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वीशोरैड्स) का 27 सितंबर 2022 को सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षणों का संचालन किया। वीशोरैड्स एक मानव चालित पोर्टेबल वायु रक्षा प्रणाली (मैनपैड) है जिसे अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), हैदराबाद द्वारा अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं तथा भारतीय उद्योग भागीदारों के सहयोग से स्वदेशी रूप से अभिकल्पित एवं विकसित किया गया है।

वीशोरैड्स मिसाइल के अंतर्गत मिनिएचराइज्ड रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम (आरसीएस) और एकीकृत उड्डयानिकी सहित कई नवीनतम प्रौद्योगिकियों को समावेशित किया गया है, जिन्होंने परीक्षणों के दौरान अपनी क्षमता व उपयोगिता को सफलतापूर्वक साबित किया है। इस मिसाइल, जिसे छोटी दूरी के परिसरों में कम ऊंचाई वाले हवाई खतरों से निपटने के लिए विकसित किया गया है, एक ड्यूअल थर्स्ट सॉलिड मोटर द्वारा चालित होता है। लॉन्चर सहित मिसाइल की अभिकल्पना को काफी उन्नत बनाया गया है ताकि उसे आसानी से इधर-उधर ले जाया जा सके। दोनों उड़ान परीक्षणों ने मिशन के उद्देश्यों को पूर्णरूप में प्राप्त किया।

माननीय रक्षा मंत्री, श्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ और उद्योग भागीदारों के प्रयासों का अभिवादन एवं प्रशंसा की और कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकियों से सुसज्जित यह नई मिसाइल सशस्त्र बलों को प्रौद्योगिकीय दृष्टि से संबल प्रदान करेगी। सचिव, डीडी (आर एण्ड डी) और अध्यक्ष, डीआरडीओ ने इस अपार सफलता के लिए वीशोरैड्स की पूरी टीम को बधाई दी।



## भारत के उत्तर पूर्व हिमालय क्षेत्र में डीजीआरई द्वारा प्रथम अवधाव रडार का संचालन

रक्षा भू-सूचना अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई), चंडीगढ़ भारत के हिमालयी क्षेत्र में अवधावों और भूस्खलन घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, सभी प्रकार के भू-भागों में युद्धक प्रभावकारिता को बढ़ाने और सैनिकों की सुरक्षित आवाजाही हेतु महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां विकसित करने के लिए समर्पित है। पर्वतों में हिमधाव अर्थात हिमस्खलन घटनाएं शीतकाल के दौरान जनमानस तथा बुनियादी ढांचे के लिए प्रत्यक्ष रूप से खतरा पैदा करती हैं। अवधाव घटित होने के प्रारंभिक चरण पर सक्रिय सेंसरों के द्वारा हिमधावों का सफलतापूर्वक पता लगा लेने से कुछ सैकड़ों का महत्वपूर्ण समय उपलब्ध होता है जिसका उपयोग अलार्म ध्वनि देने या अमूल्य मानव जीवन को संरक्षित करने हेतु सड़कों को कारगर रूप से बंद करने के लिए किया जा सकता है। डीजीआरई ने भारतीय थलसेना के 33 कोर और एक भारतीय उद्योग भागदीदार के साथ समन्वय से निदेशक के साथ परियोजना टीम के दौरे के दौरान उत्तर सिक्किम के ऊंचाई वाले क्षेत्र यानी फॉरवर्डिंग क्षेत्र में 15000 फीट की तुंगता पर नवोन्नत डॉप्लर अवधाव रडार 01 सितंबर 2022 को संस्थापित एवं संचालित किया। यह

भारत में अपने आप में अनूठा रडार है, जो कड़क मौसम स्थितियों में भी गंभीर अवधाव संवेदनशील ढलानों अथवा स्लोप की निगरानी करने में सक्षम है। यह अवधावों के घटित होने के प्रारंभिक छड़ पर कुछ ही सैकड़ों के भीतर अवधाव का पता लगा लेता है और विभिन्न प्रकार के अलार्म व चेतावनियां सृजित करता है। अतः यह मानव जीवन को बचाने के लिए मूल्यवान

एवं समय पर इनपुट उपलब्ध कराता है। इसके अतिरिक्त, चूंकि रडार एक दूरी से परिचालित होता है, इसलिए यह खतरे वाले क्षेत्रों में यंत्रों को संस्थापित करने की आवश्यकता के बिना बड़े भूभागों व क्षेत्रों की निगरानी करने में सहायता करता है। रडार मास्ट पर स्थापित एकीकृत कैमरों से अवधाव घटना के विडियो रिकॉर्ड करने में सहायता मिलेगी।



## आईआरडीई समाचार पत्र 'दृष्टि' का विमोचन

डॉ अजय कुमार, निदेशक, यंत्र अनुसंधान और विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून ने आईआरडीई के समाचार पत्र 'दृष्टि' (अन्वेषण, अभिज्ञान/रिकॉग्निशन, पहचान, सर्च, होमिंग और नवोन्मेष के साथ ट्रेकिंग) के नवीनतम अंक का 15 अगस्त 2022 को विमोचन किया। दृष्टि समाचार पत्र आईआरडीई का एक अर्धवार्षिक प्रकाशन है, जिसमें आईआरडीई



द्वारा नव विकसित उत्पादों, परीक्षणों, महत्वपूर्ण घटनाक्रमों, दौरों, सेवानिवृत्तियों, आदि से संबंधित समस्त समाचारों को

प्रकाशित किया जाता है। दृष्टि समाचार पत्र के विमोचन के दौरान, आईआरडीई के निदेशक ने इस अंक के समय पर

प्रकाशन के लिए दृष्टि की संपादकीय टीम के प्रयासों की प्रशंसा की।

## लंबित मामलों को निपटाने और साफ-सफाई मुहिम पर विशेष अभियान

नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने लंबित मामलों के निपटान और साफ-सफाई पर विशेष अभियान (एससीडीपीएम 2.0) के भाग के रूप में, महात्मा गांधी की जयंती के स्मरण में 02 अक्टूबर 2022 को एक 'साफ-सफाई मुहिम' चलाई। एससीडीपीएम 2.0 के अनुसरण में, एनपीओएल ने सफाई किए जाने वाले स्थलों, कचरा व स्क्रेप के निपटान वाले स्थलों, पुराने अभिलेखों को समाप्त करना, कचरा रहित स्थलों, आदि की पहचान की। 02 अक्टूबर 2022 को चलाई गई साफ-सफाई मुहिम का नेतृत्व डॉ के अजीत कुमार, निदेशक, एनपीओएल ने की। अपने संबोधन के प्रारंभ में, उन्होंने एक स्वस्थ एवं साफ परिसर की महत्ता को उजागर किया और कहा कि इससे कार्यालय के भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है। उन्होंने इस बात पर भी जोर



दिया कि इस अभियान को गंभीरतापूर्वक लिया जाना चाहिए और परिसरों को साफ-सुथरा रखा जाना चाहिए। उन्होंने महात्मा गांधी के आदर्शों तथा विचार को

रेखांकित किया और कहा कि हम न केवल स्वयं के लिए जीवन में आगे बढ़ें, अपितु अपनी भावी पीढ़ियों के लिए भी स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करें।

## एनएसटीएल में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंतियों का भव्य समारोह

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती का आयोजन 02 अक्टूबर 2022 को भव्य रूप से किया गया। इस अवसर पर, डॉ श्रीनिवास राव, निदेशक, एनएसटीएल और मुख्य अतिथि ने 82 गरीब एवं जरूरतमंद छात्रों को परिलब्धि तथा मनासु अनाथालय को वित्तीय सहायता प्रदान की। समारोह के क्रम में, 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 3.0' का भी आयोजन किया गया। एनएसटीएल के निदेशक, निर्माण कार्य समिति की अध्यक्ष डॉ मनु कोरुला और अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ मनासी सभागार से एनएसटीएल विद्यालय के मैदान तक एक ध्वज के साथ एक दौड़ रैली संचालित की गई।



## डिपास द्वारा 61वें स्थापना दिवस का आयोजन

रक्षा शरीरक्रिया और संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली ने 20 सितंबर 2022 को अपना 61वां स्थापना दिवस समारोह और स्तुति वंदन के साथ स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया। डॉ राजेश एस गोखले, सचिव, डीबीटी ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई, जबकि डॉ यू के सिंह, ओएस एवं डीजी (एलएस) समारोह के सम्मानित अतिथि थे। विभिन्न प्रयोगशालाओं के निदेशकों, कॉरपोरेट निदेशकों, डिपास के पूर्ववर्ती स्टाफ एवं वैज्ञानिकों ने भी इस समारोह में भाग लिया। डॉ राजीव वाष्ण्य, निदेशक डिपास ने सम्मानित सभा सदस्यों का स्वागत किया और संस्थान के क्रियाकलापों व गतिविधियों का विहंगावलोकन तथा डिपास द्वारा विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति और अन्य उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया।



डॉ गोखले ने डिपास की उपलब्धियों की सराहना की और स्वास्थ्य तथा रोग की रोकथाम को बढ़ाने में जैव विज्ञान की भूमिका पर बल दिया।

मुख्य अतिथि ने पुरस्कार विजेताओं द्वारा उनके अपने संबंधित क्षेत्र में किए गए कठिन परिश्रम एवं समर्पण के लिए उनको डीआरडीओ प्रयोगशाला स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए। उन कर्मियों

को स्मृति चिन्ह व मोमेन्टो वितरित किए गए जिन्होंने डीआरडीओ में 25 वर्षों की सेवा पूरी कर ली थी। निदेशक, डिपास ने विभिन्न खेल गतिविधियों से संबंधित विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम को अनुसंधान करने वाले छात्रों तथा संस्थान के स्टाफ द्वारा रंग-बिरंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न किया गया।

## डीआरडीओ की हिंदी पत्रिका को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

क्षेत्र 'क' के लिए, डीआरडीओ की आंतरिक पत्रिका 'रक्षा अनुसंधान भारती' को हिंदी दिवस-2022 के अवसर पर गुजरात में आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान 14-15 सितंबर 2022 को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (द्वितीय पुरस्कार) प्रदान किया गया। इस अवसर पर, श्री अमित शाह, माननीय गृह मंत्री, और श्री निशित प्रमाणिक, गृह राज्य मंत्री ने डॉ रविन्द्र सिंह, निदेशक, संसदीय कार्य, राजभाषा और संगठन मैथड को यह पुरस्कार प्रदान किया। सम्मेलन के दौरान, डीआरडीओ को भी एक प्रदर्शन आयोजित करने का अवसर मिला जहाँ उसने अपनी पुस्तकों एवं पत्रिकाओं को प्रदर्शित किया। डीआरडीओ के स्टाल का दौरा करते हुए,

माननीय गृह मंत्री और अन्य महानुभावों ने डीआरडीओ के हिंदी में कामकाज करने के प्रयासों की प्रशंसा की।



## हिंदी पखवाड़ा समारोह-2022

डीपीएआरओ एण्ड एम, दिल्ली

डीआरडीओ मुख्यालय में हिंदी पखवाड़ा 01-15 सितंबर 2022 के दौरान मनाया गया। कार्यक्रम का उदघाटन डॉ रविन्द्र सिंह, निदेशक, संसदीय कार्य निदेशालय, राजभाषा तथा ओ एण्ड एम (डीपीएआरओ एण्ड एम) ने श्रीमती आशा त्रिपाठी, सह निदेशक, श्री संजीव कुमार, संयुक्त निदेशक (राजभाषा) और श्री सुजीत कुमार मेहता, सहायक निदेशक (राजभाषा) के साथ 01 सितंबर 2022 को किया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान, ड्राइवरों के लिए एक प्रश्नोत्तरी के साथ 16 प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 29 सितंबर 2022 को किया गया। समारोह का उदघाटन डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आर एण्ड डी) और अध्यक्ष, डीआरडीओ ने श्री संगम सिन्हा, महानिदेशक (आर एण्ड एम), डॉ. रविन्द्र सिंह, निदेशक, डीपीएआरओ एण्ड एम और श्रीमती आशा त्रिपाठी, सह निदेशक की उपस्थिति में किया। डॉ समीर वी कामत ने अपने संबोधन में मुख्यालय के सभी कर्मियों से आग्रह किया कि वे अपने संवैधानिक दायित्व को निष्पादित करने में कार्यालयी कार्य को अधिकाधिक हिंदी में करें। श्री संगम सिन्हा, महानिदेशक (आर एण्ड एम) ने समारोह में उपस्थित कर्मियों को भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हिंदी पखवाड़ा को एक त्यौहार व महोत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए और उत्साह को पूरे वर्ष कायम रखना चाहिए।

डॉ रविन्द्र सिंह ने हिंदी भाषा को रोजगार से संबद्ध व लिंक करने की बात की। निदेशक, डीपीएआरओ एण्ड एम ने मुख्यालय और अधीनस्थ प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं/केंद्रों में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु किए जा रहे सार्थक प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर



पर, डीआरडीओ की आंतरिक पत्रिका 'रक्षा अनुसंधान भारती' के 15वें अंक को डॉ कामत द्वारा विमोचित किया गया।

हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और 10 कर्मियों को भी प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जिन्होंने वर्ष के दौरान अधिकतम कार्यालयी कार्य हिंदी में किया। मुख्यालय में अधिकतम कार्यालयी कार्य हिंदी में करने के लिए, प्रबंध सेवा निदेशालय (डीएमएस) को वर्ष 2021-22 के लिए राजभाषा शील्ड

प्रदान की गई।

इस अवसर पर एक कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। सभी कवियों को निदेशक ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान, श्री सुजीत कुमार मेहता, सहायक निदेशक (राजभाषा) और श्रीमती अरुण कमल, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने मंच संचालन किया, जबकि श्री संजीव कुमार, संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

## आईटीआर चांदीपुर

हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर में 29 सितंबर 2022 को आयोजित किया गया। कार्यवाहक निदेशक सुश्री बी सुचारिता ने समारोह की अध्यक्षता की। पखवाड़ा के दौरान, आठ प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें कर्मियों ने बड़े हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं, जैसे कि टिप्पण, प्रारूपण, हिंदी ज्ञान एवं व्याकरण, साधारण अनुवाद, हिंदी वाद-विवाद, हिंदी निबंध, हिंदी प्रश्नोत्तरी, आदि में 60 से अधिक कर्मियों ने भाग लिया। मिशन की अनेक प्रतिबद्धताओं के कारण, प्रतियोगिताएं दिनांक 5 अगस्त 2022 से 8 सितंबर 2022 के बीच अलग-अलग दिनों में आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं के विजेताओं और सभी प्रतिभागियों को उपयुक्त नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का आयोजन श्री पी एन पांडा, वैज्ञानिक 'एफ', संयुक्त समूह निदेशक (एचआर), एचआरडी ग्रुप एवं हिंदी प्रकोष्ठ तथा उसकी टीम ने किया।

## एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने 14-27 सितंबर 2022 के दौरान हिंदी पखवाड़ा मनाया। डॉ के अजीत कुमार, वैज्ञानिक 'जी' और निदेशक, एनपीओएल ने 14 सितंबर 2022 को समारोह का उदघाटन किया और प्रारंभिक संबोधन दिया। माननीय गृह मंत्री, श्री अमित शाह; डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आर एण्ड डी) एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ की ओर से भेजे गए हिंदी दिवस संदेशों को इस अवसर पर पढ़ा गया। डॉ सुभाष चन्द्र बोस एम आर, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक (प्रबंधन) और श्री विल्सन के चेरुकुलथ, वैज्ञानिक 'एफ' एवं समूह निदेशक (पी एण्ड ए) ने अभिवादन किया। कार्यक्रम के दौरान औचक रूप से हिंदी परीक्षा भी आयोजित की गई।

इन समारोहों के क्रम में, एनपीओएल कर्मियों के लिए 13 प्रतियोगिताओं को आयोजित किया गया। अंतर्जल एकाउस्टिक अनुसंधान सेवा केंद्र (यूएआरएफ), एनपीओएल का

इडुक्की परिसर, के कर्मियों के लिए भी हिंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं का उद्देश्य प्रयोगशाला में राजभाषा के व्यापक प्रयोग को बढ़ावा देना था। हिंदी पखवाड़ा समारोह के भाग के रूप में, एक दिन के लिए राजभाषा प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

सभी कर्मियों को चार समूहों में वर्गीकृत किया गया— एन, पी, ओ, और एल। सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 27 सितंबर 2022 को आयोजित समापन समारोह के दौरान निदेशक, एनपीओएल द्वारा प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। 'हिंदी पखवाड़ा रोलिंग ट्रॉफी' समूह 'एन' को दी गई जिसने अधिकतम अंक प्राप्त किए। श्री राम लोचन अवस्थी, वैज्ञानिक 'डी' और हिंदी अधिकारी ने वर्ष 2021-22 के दौरान आयोजित पखवाड़ा का विहंगावलोकन प्रस्तुत किया। इसके पश्चात, एनपीओएल के कर्मियों के बच्चों को प्रमाण पत्र के साथ पुरस्कार वितरित किए गए, जिन्होंने इस वर्ष में आयोजित सीबीएसई तथा राज्य स्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में हिंदी भाषा में उच्चतर अंक प्राप्त किए थे। विभिन्न प्रतियोगिताओं में कर्मियों



आईटीआर चांदीपुर में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन



की बड़ी संख्या में प्रतिभागिता के कारण हिंदी पखवाड़ा समारोह अति सफल रहा। डॉ शिनी नय्यर, वैज्ञानिक 'एफ' हिंदी पखवाड़ा समारोह समिति के अध्यक्ष थे।

### एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल) में हिंदी पखवाड़ा-2022 14-30 सितंबर 2022 के दौरान मनाया गया। डॉ वाई श्रीनिवास राव, ओएस एवं निदेशक, एनएसटीएल ने पखवाड़ा का उदघाटन एवं समापन मुख्य अतिथि के रूप में किया।

अपने संबोधन में, मुख्य अतिथि ने कहा कि कार्यालयी कार्य को हिंदी में कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान हिंदी के योगदान को ध्यान में रखते हुए, भारत के संविधान निर्माताओं ने संविधान के अनुच्छेद 343 के अधीन देवनागरी लिपि के साथ हिंदी को चुना।

उन्होंने हिंदी पखवाड़ा समारोह में कर्मियों की उच्च संख्या में प्रतिभागिता से भी संतुष्टि व्यक्त की और कर्मियों से आग्रह किया कि वे हिंदी को एक यथार्थ वैज्ञानिक भाषा बनाने की दिशा में कार्य करें। कार्यक्रम के दौरान, हिंदी पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जैसे कि निबंध लेखन, कहानी लेखन, टिप्पण



एनपीओएल, कोच्चि में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

एवं प्रारूपण, अनुवाद, आशुभाषण, कविता गायन, शब्द-पहेली व अंताक्षरी, पीपीटी प्रस्तुतीकरण, पोस्टर बनाना, और प्रश्नोत्तरी अर्थात क्विज़ प्रतियोगिताएं। मंतव्य-एक आशुभाषण का आयोजन किया गया जिसमें प्रयोगशाला के कुछ वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने हिंदी में वक्तव्य दिया। हिंदी और हिंदीत्तर श्रेणियों में कार्यरत 150 कर्मियों को नकद पुरस्कार वितरित किए गए।

हिंदी पखवाड़ा समारोह की अध्यक्ष, श्रीमती एम सुजाता, वैज्ञानिक 'एफ' ने हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान

आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में बताया तथा हिंदी भाषा में प्रवीणता प्राप्त करने हेतु कार्यक्रमों को किस प्रकार अभिकल्पित किया जाए, इस बारे में भी बताया।

श्री विवेक शर्मा, वैज्ञानिक 'ई' एवं हिंदी अधिकारी ने बताया कि प्रयोगशाला में कुछ वर्षों के दौरान हिंदी का प्रयोग जीवन के हर क्षेत्र में तथा विभिन्न गतिविधियों में बढ़ा है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों तथा संपूर्ण संयोजक टीम को धन्यवाद एवं बधाई दी।



एनएसटीएल, विशाखापत्तनम में हिंदी पखवाड़ा समारोह

## डीएमआरएल में 29वां तम्हनकर स्मृति व्याख्यान

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने देश में दो महत्वपूर्ण संस्थानों व संस्थाओं, अर्थात् डीएमआरएल और मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानी) को स्थापित एवं विकसित करने में डॉ आर वी तम्हनकर द्वारा दिए गए योगदानों के लिए उनके प्रति श्रद्धाजलि अर्पित करने हेतु भारतीय धातु संस्थान (आईआईएम), हैदराबाद के सानिध्य में 25 अगस्त 2022 को 29वां तम्हनकर स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया। डॉ समीर वी कामत, डीएस एवं डीजी (एनएस एण्ड एम), अब सचिव डीडी (आर एण्ड डी) एवं अध्यक्ष डीआरडीओ तथा अध्यक्ष, भारतीय धातु संस्थान ने 'नौसेना प्रणालियां एवं प्रौद्योगिकियां' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं में किए जा रहे कार्यों के साथ उन्नत प्रणालियों एवं प्रौद्योगिकियों का एक व्यापक विहंगावलोकन प्रस्तुत



किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के पास नौसेना प्रणालियों एवं

प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भर बनने की क्षमता एवं संभावना है।

## डीएलआरएल में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी वार्ता

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंच, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद ने एक तकनीकी वार्ता का आयोजन किया जिसकी प्रस्तुति प्रोफेसर (डॉ) श्रीनिवासुलु टेडीसेटी, डीन, अभियांत्रिकी संकाय, ककाटिया विश्वविद्यालय, वारंगल और श्रीमती वी विराजा, वैज्ञानिक 'जी', डीएलआरएल ने 20 सितंबर 2022 को किया।

सर्वप्रथम, श्रीमती लक्ष्मी, वैज्ञानिक 'एफ' एवं अध्यक्ष ने एस एवं टी मंच की गतिविधियों के बारे में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अतिथि प्रोफेसर (डॉ) श्रीनिवासुलु टेडीसेटी ने 'रडार प्रौद्योगिकियों में प्रवृत्तियां—एक विहंगावलोकन' पर बात की। उन्होंने नई प्रौद्योगिकियों तथा रडारों, ईईएसए, और रक्षा प्रौद्योगिकियों के लिए स्टेल्थ



के बारे में बात की। श्रीमती विराजा ने डीएलआरएल के संदर्भ में साइबर स्पेस एवं साइबर सुरक्षा के बारे में बात की। वह सूचना सुरक्षा अधिकारी भी हैं और उन्होंने डीएलआरएल में डीआरडीओ सूचना सुरक्षा

नीतियों के कार्यान्वयन में भी भूमिका निभाई। वार्ताओं के उपरांत प्रश्न एवं उत्तर सत्र आयोजित किया गया, और कार्यक्रम को अनुप्रिया, टीओ 'ए' द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव देने के साथ संपन्न किया गया।

## आई टी आई प्रमाणन पर कार्यशाला

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने एमटीएस कार्मिकों के लिए तम्हन्कर सभागार में 18 अगस्त 2022 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के दौरान, करियर प्रोगेशन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर राजकीय आईटीआई महाविद्यालय के प्रधानाचार्य और स्टाफ ने स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने आईटीआई पाठ्यक्रम को पूरा करने में एमटीएस कार्मिकों द्वारा महसूस की जा रही चुनौतियों और आवश्यकताओं को उजागर किया। बड़ी संख्या में एमटीएस कार्मिकों तथा उनके समूह के प्रमुखों ने कार्यक्रम में भाग लिया।



## ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, देहरादून में व्याख्यान

डॉ अजय कुमार, निदेशक यंत्र अनुसंधान और विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून ने 'इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल प्रणालियों में समकालिक प्रवृत्तियां' पर ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, देहरादून में 24-26 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 24 अगस्त 2022 को एक व्याख्यान की प्रस्तुति की। उन्हें सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस व्याख्यान में, डॉ अजय कुमार ने इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल प्रणालियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सिग्नल एवं इमेज प्रोसेसिंग के क्षेत्रों में अपने व्यापक अनुभव को साझा किया।



## वर्तमान युग में तकनीकी संचार पर पाठ्यक्रम

रक्षा वैज्ञानिक सूचना और प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 'वर्तमान युग में तकनीकी संचार' पर 19-21 सितंबर 2022 के दौरान एक सीईपी पाठ्यक्रम का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य डीआरडीओ परिवार के सदस्यों के बीच तकनीकी संचार के बारे में तथा संचार के तौर-तरीकों के बारे में जागरूकता फैलाना था। पाठ्यक्रम में डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम में कवर किए गए प्रमुख विषयों में, तकनीकी लेखन, पब्लिशिंग मैट्रिक्स, डीआरडीओ के ई-पुस्तकालय, डीआरडीओ के प्रकाशनों, आदि से 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अपने संबोधन के दौरान, डॉ. के. नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने अच्छी गुणवत्ता के शोध पत्र लेखन पर जोर दिया। श्री योगेश मोदी, वैज्ञानिक 'ई' पाठ्यक्रम निदेशक थे।



## एनएसटीएल में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने 'इलेक्ट्रो-कैमिकल एनर्जी कन्वर्जन एवं स्टोरेज-(ईसीओएस-2022)' पर 28-29 सितंबर 2022 के दौरान दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। डॉ. सतीश रेडी, एसए टु आर एम, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। विभिन्न संगठनों के अनेक प्रख्यात व्यक्तियों को कीनोट संबोधन देने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस सेमिनार के भाग के रूप में, डॉ. वाई. श्रीनिवार राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल ने 27 सितंबर 2022 को एक अनुसंधान सुविधा 'एडवांस्ड बैटरीज आर एण्ड डी फ़ैसिलिटी' की नींव रखी। सेमिनार में अग्रणी वैज्ञानिक, शिक्षाविद, विभिन्न प्रयोगशालाओं



से अनुसंधानकर्ताओं, विश्वविद्यालयों तथा सशस्त्र बल एक साथ आए जिन्होंने सूचना

तथा मूल्यवान अनुभवों को आपस में साझा किया।

## वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रदर्शनियों में डीएमआरएल की प्रतिभागिता

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने लोक लेखा समिति (2022-2023) के 30 अगस्त 2022 को अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), हैदराबाद में दौरे के दौरान एक प्रदर्शनी में प्रतिभागिता की। डीएमआरएल द्वारा भारतीय सशस्त्र बलों के लिए सामरिक रूप से विकसित महत्वपूर्ण उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शनी में समिति के माननीय सदस्यों को प्रदर्शित किया गया ताकि उन्हें नवोन्मेष और आत्मनिर्भरता में डीएमआरएल के योगदान के बारे में अवगत कराया जा सके। उत्पादों के प्रति आगंतुकों ने उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया दी।



## डीआरडीई, ग्वालियर में पाठ्यक्रम

रक्षा अनुसंधान और विकास स्थापना (डीआरडीई), ग्वालियर ने 'भावी महामारियों के प्रबंध के लिए तैयारी एवं प्रौद्योगिकीय समाधान: कोविड-19 से प्राप्त सीख' पर 26-30 सितंबर 2022 के दौरान एक निरंतर शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) का आयोजन किया। विभिन्न प्रयोगशालाओं, सशस्त्र बलों और संसदीय बलों के कुल 22 अधिकारियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। पाठ्यक्रम का उदघाटन डॉ अक्षय निगम, डीन एवं सीईओ, जीआर चिकित्सीय महाविद्यालय, ग्वालियर ने किया। 5 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, विभिन्न अग्रणी राष्ट्रीय संस्थानों से प्रख्यात वार्ताकारों तथा डीआरडीई से वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने कोविड-19 के क्षेत्र में नवीनतम प्रौद्योगिकीय उन्नयन पर तथा



उसकी तैयारी पर वैज्ञानिक विचार-विमर्श किया।

भावी महामारियों के प्रबंध के लिए विभिन्न पहलुओं, जैसे कि ब्रॉड स्पेक्ट्रम टीकों, प्रोटियोमिक्स, और जीन एडिटिंग

प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की गई।

डॉ मनमोहन परिडा, निदेशक, डीआरडीई ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। डॉ पी के दाश, वैज्ञानिक 'एफ' पाठ्यक्रम निदेशक थे।

## पुरस्कार

### आईआईएम-अध्येतावृत्ति का वितरण



भारतीय धातु संस्थान (आईआईएम) कोलकाता ने रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद के डॉ. पार्था घोषाल, वैज्ञानिक 'जी' को 01

अगस्त 2022 से संस्थान की अध्येतावृत्ति प्रदान की।

### डीआरएल, तेजपुर



श्री अनंत सैकिया, वैज्ञानिक 'ई', रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला तेजपुर को उनके शोध प्रबंध शीर्षक 'फ' कशन लाइ जे शान

ऑफ सम इनआर्गेनिक नैनो पार्टिकल्स ऐंड देयर एप्लीकेशन फॉर वाटर प्यूरीफिकेशन' के लिए अनुप्रयुक्त विज्ञान प्रौद्योगिकी संकाय (रसायन विज्ञान), गुवाहटी विश्वविद्यालय, गुवाहटी, असम द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

### एनएसटीएल, विशाखापत्तनम



श्री एम अरविंद शास्त्री, वैज्ञानिक 'डी', एनएसटीएल, विशाखापत्तनम को तेलंगाना विज्ञान अकादमी द्वारा

अभियांत्रिकी विज्ञान के क्षेत्र में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार-2020 प्रदान किया गया। उन्हें यह पुरस्कार नौसेना के महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों में उपयोग करने

हेतु उच्च मजबूती के स्टील फॉर्जिंग एवं स्टैम्पिंग के औद्योगिक पैमाने के उत्पादन की स्थापना में दिए गए योगदान के लिए दिया गया।

### एसएजी, दिल्ली



डॉ. सुमित कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी), दिल्ली को उनके शोध प्रबंध शीर्षक 'सम सिक्वोरिटी इन्वेसिटिगेशन्स ऑन

स्मार्ट फोन प्लेटफॉर्म' के लिए इलेक्ट्रॉनिक एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

## डीआरडीओ-दक्षिण क्षेत्र वॉलीबाल प्रतियोगिता

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर ने 12-14 अक्टूबर 2022 के दौरान डीआरडीओ-दक्षिण क्षेत्र वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न दक्षिण क्षेत्र स्थित प्रयोगशालाओं से कुल 78 खिलाड़ियों ने भाग लिया। डा. ए डी सेमवाल, निदेशक डीएफआरएल ने डीएफआरएल, सीडीए और एमईएस परिवार से डॉ. आर. कुमार, ए. डी.; डॉ. वी. ए. संजीव कुमार वैज्ञानिक 'एफ', अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मचारीगणों की उपस्थिति में 12 अक्टूबर 2022 को प्रतियोगिता का उदघाटन किया। कुल 12 मैच खेले गए जिनमें 9 लीग मैच, 2 सेमी फाइनल, और 1 फाइनल मैच खेला गया।

बेस्ट ऑफ फाइव अर्थात् पांच सेट में से तीन सेट जीतकर एनपीओएल ने फाइनल मैच जीता। निदेशक, डीएफआरएल ने श्री देव कुमार यादव, वैज्ञानिक 'ई', और खेल अधिकारी, डीएफआरएल की



उपस्थित में संबंधित टीमों के विनर एवं रनर अप ट्रॉफियां, पदक और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कोच, प्रबंधकों और

खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता व टूर्नामेंट को शानदार तरीके से आयोजित करने के लिए डीएफआरएल की प्रशंसा की।

## डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं में पधारे अतिथिगण

### डिहार, लेह

लेफ जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, एवीएसएम, जीओसी-इन-सी, नॉर्दन कमांड ने 29 सितंबर 2022 को रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (डिहार), लेह का दौरा किया। उनके साथ लेफ जनरल ए सेनगुप्ता, एवीएसएम, वाईएसएम, जीओसी मुख्यालय 14 कोर, और मेजर जनरल एस एस बख्शी, लेह गैरिसन के उप क्षेत्र कमांडर ने भी दौरा किया। डॉ ओ पी चौरसिया, निदेशक, डिहार ने लेफ जनरल को उच्च तुंगता में चल रही विभिन्न प्रकार की कृषि पशुपालन संबंधी गतिविधियों से अवगत कराया।

### डीएमआरएल, हैदराबाद

एडमिरल करमबीर सिंह (सेवानिवृत्त), वीएसएम, एवीएसएम एवं माननीय सलाहकार, डीडी (आर एण्ड डी) ने 12 अगस्त 2022 को रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद का दौरा किया। डॉ समीर वी कामत, डीएस एवं डीजी (एनएस एण्ड एम) और डॉ जी मधुसूदन रेडी, ओएस एवं निदेशक, डीएमआरएल ने एडमिरल करमबीर सिंह का स्वागत किया। निदेशक, डीएमआरएल ने प्रयोगशाला की आर एण्ड डी गतिविधियों तथा विगत उपलब्धियों के बारे में उन्हें जानकारी दी।

### एनएमआरएल, अंबरनाथ

रियर एडमिरल के वेंकटरमन, वीएसएम, पीडी (ओ एण्ड टी), एचक्यू, एटीवीपी ने 21 सितंबर 2022 को नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ का दौरा किया। श्री पी टी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक एनएमआरएल ने रियर एडमिरल के वेंकटरमन का स्वागत किया। डॉ बी बासु, वैज्ञानिक 'जी' ने एनएमआरएल द्वारा की गई विभिन्न आर एण्ड डी गतिविधियों पर उन्हें एक प्रस्तुतीकरण दिया। इसके उपरांत रियर एडमिरल वेंकटरमन, वीएसएम ने एआईपी कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने एसईसीआरए के बारे में एनएमआरएल



द्वारा की गई गतिविधियों की भी समीक्षा की।

✿ वाइस एडमिरल वी श्रीनिवास, एवीएसएम, एनएम, आईजीएनएस ने 08 सितंबर 2022 को एनएमआरएल का दौरा किया। श्री पी टी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल ने वाइस एडमिरल वी श्रीनिवास का स्वागत किया। डॉ बी बासु, वैज्ञानिक 'जी' ने एनएमआरएल की आर एण्ड डी उपलब्धियों और एटीवीपी से संबद्ध परियोजनाओं के बारे में एक संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण दिया। तत्पश्चात, डॉ सुमन रॉय चौधरी, वैज्ञानिक 'जी' (कार्यक्रम निदेशक) और उनके टीम के सदस्यों ने डीआरडीओ एआईपी कार्यक्रम पर प्रस्तुतीकरण दिया। इसके उपरांत, आईजीएनएस ने एआईपी भू-आधारित प्रोटाइप स्थल का दौरा किया ताकि इस प्रणाली की विशिष्टता के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सके।

### एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

✿ आविष्कार-2022 (भारतीय विज्ञाना मंडली) के 25 विजेताओं ने 10 सितंबर 2022 को नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम का दौरा किया। दौरे के दौरान, डॉ वाई श्रीनिवास राव, निदेशक, एनएसटीएल ने आगंतुकों के साथ बातचीत की और एनएसटीएल के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने एचएसटीटी, विंड टनल/सीटी, एमएमबी, बैटरी डिवीजन और टीएलवीएआर केंद्र का दौरा किया। प्रणाली प्रभारी ने उत्पादों/प्रौद्योगिकियों/सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

✿ डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आर एण्ड डी) और अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 11 सितंबर 2022 को एनएसटीएल का दौरा किया। सर्वप्रथम, डॉ वाई श्रीनिवास राव, निदेशक, एनएसटीएल और उनकी टीम ने अध्यक्ष का स्वागत किया। डॉ कामत ने एनएसटीएल के वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की। संबंधित परियोजनाओं की टीमों ने उन्हें चालू परियोजनाओं, उनकी वर्तमान स्थिति तथा कार्य योजना के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

